

---

# Matangi Stotram

---

## मातङ्गी स्तोत्रम्

---

### Document Information



---

Text title : mAtangIstotram 2

File name : mAtangIstotram2.itx

Category : devii, dashamahAvidyA, devI

Location : doc\_devii

Proofread by : Aruna Narayanan narayanan.aruna at gmail.com

Description/comments : From Durlabh Stotrani. muNDamALA tantra

Latest update : June 17, 2019

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 14, 2020

*sanskritdocuments.org*

---



मातङ्गी स्तोत्रम्



नमामि वरदां देवीं सुमुखीं सर्वसिद्धिदाम् ।  
सूर्यकोटिनिभां देवीं वह्निरूपां व्यवस्थिताम् ॥ १ ॥

रक्तवस्त्रं नितम्बां च रक्तमाल्योपशोभिताम् ।  
गुंजाहारस्तनाढ्यान्तां परंज्योतिस्वरूपिणीम् ॥ २ ॥

मारणं मोहनं वश्यं स्तम्भनाकर्ष दायिनी ।  
मुण्ड कर्त्रिं शरावामां परंज्योतिस्वरूपिणीम् ॥ ३ ॥

स्वयम्भुकुसुम प्रीतां ऋतुयोनिनिवासिनीम् ।  
शवस्थां स्मेरवदनां परंज्योतिस्वरूपिणीम् ॥ ४ ॥

रजस्वला भवेन्नित्यं पूजेष्टफलदायिनी ।  
मद्यप्रियं रतिमयीं परंज्योतिस्वरूपिणीम् ॥ ५ ॥

शिवविष्णुविरञ्चीनां साद्यां बुद्धिप्रदायिनीम् ।  
असाध्यं साधिनीं नित्यां परंज्योतिस्वरूपिणीम् ॥ ६ ॥

रात्रौ पूजा बलियुतां गोमांस रुधिरप्रियाम् ।  
नानाऽलङ्कारिणीं रौद्रीं पिशाचगणसेविताम् ॥ ७ ॥

इत्यष्टकं पठेद्यस्तु ध्यानरूपां प्रसन्नधीः ।  
शिवरात्रौ व्रतेरात्रौ वारूणी दिवसेऽपिवा ॥ ८ ॥

पौर्णमास्याममावस्यां शनिभौमदिने तथा ।  
सततं वा पठेद्यस्तु तस्य सिद्धि पदे पदे ॥ ९ ॥

इति एकजटा कल्पलतिका शिवदीक्षायान्तर्गतम् मातङ्गी स्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥



*Matangi Stotram*

pdf was typeset on June 14, 2020



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

